ज़रा सोचें...

सम्पूर्णता की मदद हमको बाबा को देनी है

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

एक बार बड़ी दीदी ने हमें बताया था। बड़ी दीदी से पूछा कि आप लोग तो कॉन्सटेंट एक के बाद एक कार्य में बिज़ी रहते हैं तो बाबा को कब याद करते हैं। तो बड़ी दीदी ने बड़ा अच्छा बताया था कि एक पार्टी से मिलती हूँ, वो जाती है फिर दूसरी से मिलती हूँ उस बीच में मैं फिर से अपने आप को बाबा से जोड़ लेती हूँ। ये भी मैंने बहुत प्रैक्टिस किया। कोई मिलने आते हैं तो मैं और अन्दर से डिटैच हो जाती हूँ। अन्दर से और न्यारा हो जाना या आत्म स्मृति में या जो हमारे स्वमान, टाइटल बाबा ने दिए हैं वो याद करना। बाबा भी देखो ज्ञान में आये पहले सबको कमल फूल बनाया। कितनी बार बाबा कहते हैं भल घर में रहो पर कमल फूल समान बनो। कमल की क्या विशेषता है डिटैचमेंट, न्यारापन फिर बाबा ने आगे बढ़ाया कि कितने भी सतकर्म करो सेवा करते हैं ना हम सब तन-मन-धन लगाते हैं, मन-वचन-कर्म लगाते हैं कितने भी सतकर्म करो, ट्रस्टी(निमित्त)। श्रीमत पर कारोबार करते हैं।

ट्रस्टी सबकुछ करता है पर मालिकपन नहीं आता है। हमें सबकुछ करना है पर मालिक बाबा है। तो मालिक के नियमानुसार करना होता है ना, तभी ट्रस्टी कहा जाता है। और अब फरिश्ते। सतकर्मों में भी, करते हुए भी आसक्ति नहीं। ऊपर की ऊंची लाइट-माइट की स्थिति है। अब बाबा कहते हैं खुद को क्या समझो फरिश्ता। कितना भी महान बन जायें, आगे बढ़ जायें, अनन्य हो जायें, सर्विसएबुल बन जायें परन्तु न्यारापन। कितना भी महारथी बन जायें परन्तु मैं बाबा का बच्चा हूँ कोई अभिमान नहीं। और अभिमान न रहने की निशानी बड़ी दादी ने हमें बतायी निमित्त भाव, निर्मान भाव। मैंपन तो क्या बहस करना भी नहीं आयेगा आपके जीवन में। निर्मान भावना और निर्मल वाणी। अहंकार नहीं आयेगा। वाणी में अहंकार नहीं आयेगा। कितना भी सहयोगी बन जायें दिखावा नहीं आयेगा। बाबा ने मौका दिया हमारे तन-मन-धन को सफल करने, बाबा कहते हैं ना कि कभी संकल्प में भी न आवे कि दिया। जानते हैं पदम गुणा रिटर्न मिलना है तभी तो बाबा पर बलिहार जा रहे हैं। यज्ञ में कोई चीज़ लाकर दी, दे दिया माना हमारा कोई अधिकार नहीं। फिर सोचना नहीं है जो अलमारी दी थी वो कहाँ गई दिखाई नहीं देती। बहन जी ने बेच दी या क्या किया? नहीं। इसका मतलब हमने अभी तक पकड़ के रखा है, तो जमा तो हुआ ही नहीं। सफल किया पर जमा नहीं हुआ। ये दो हिसाब अलग-अलग हैं। बाबा के कार्य में,सेवा में लगाना सफल करना है। पर अगर बुद्धि में चला, वर्णन किया बार-बार भई ये पंखे आपको पसंद आये? कहेंगे हाँ बहुत अच्छे हैं। तो हम कहेंगे मैंने लगवाये थे। इसलिए बाबा कहते हैं जमा कितना होता है और माइनस कितना होता है मैंपन और मेरापन करने से। इतना सत्य ज्ञान देने के बाद भी बाबा ने हमारे पर अधिकार नहीं किया। गीता में भी सबकुछ कह दिया लेकिन उसके बाद भी अर्जुन डिसकस करता रहा, आगर्यूमेंट(बहस) करता रहा। तो भगवान ने क्या कहा 'यथेच्छसि तथा कुरू' तुमको जो चाहिए वो करो। मैंने अपना कार्य कर दिया। बाबा ने हमें कभी कुछ भी नहीं कहा।

एक बार प्रोग्राम में एक मेहमान हमें कहने आये कि ये आये हुए मेहमान कितना भोजन फेंकते हैं आप लोग क्यों नहीं इन लोगों को कहते हो। तो हमने कहा कि पहले ही दिन हरेक की फाइल में सूचनाओं का कागज होता है, सबको सूचना दे दी जाती है। उसके बाद भी क्लास में एनाउन्स किया जाता है। आपके घर कोई मेहमान ऐसा करे तो आप लड़ेंगे थोड़े उनके साथ! समझायेंगे। बाबा हमें रोज़ बार-बार समझाते हैं। दादियों को हम सबने देखा है तो ये हरेक की अपनी जागृति हो कि मुझे देह भान का मैंपन और मेरापन नहीं लाना है। बाबा ने एक बार कहा था कि बच्चों का मैंपन और मेरापन ही प्रत्यक्षता के होने में पर्दा हो जायेगा। आयें हैं बाबा को प्रत्यक्ष करने और लगे हैं अपनी प्रत्यक्षता करने। हमें अपनी प्रत्यक्षता नहीं करनी है बाबा की प्रत्यक्षता करनी है। बाबा का नाम बाला करना है। यज्ञ का नाम बाला करना है। यज्ञ का नाम रोशन करना है। हमें व्यक्तिगत अपनी महत्ता नहीं बढ़ानी है। बाबा, बाबा का सत्य ज्ञान महत्त्वपूर्ण है वो हमें प्रत्यक्ष करना है। तो जितना आत्मभिमान का मैंपन और मेरापन प्रैक्टिस में लायेंगे वो देह भान का मैं और मेरापन खत्म होता जायेगा। और इस आत्मभिमानी स्थिति में, बाबा की याद में इतना सुख और आनंद अनुभव होता है और अपने आप हमारे अन्दर वो अलौकिकता, रूहानियत आती है कि हम गुप्त रहकर भी प्रत्यक्ष हो जाते हैं। अपने आप अनुभव होता है लोगों को। हमें देखें तो बाबा याद आवे, हमें देखें आत्मभिमानी बन जाये, व्यक्त भाव वाला अव्यक्त हो जाये। यही तो सेवा करनी है हमें। हमें अपने आप से पक्का करना है कि बाबा ने जो कहा है वो बनना है या नहीं बनना है। अब बाबा को हमसे कौन-सी मदद चाहिए? हमारी स्थिति की मदद चाहिए। करना है ना! अब बाबा को जो मदद चाहिए वो मुझे करनी है। हमारी स्थिति की मदद, हमारी सम्पन्नता की मदद, हमारी सम्पूर्णता की मदद चाहिए।

बाबा का सत्य ज्ञान महत्त्वपूर्ण है वो हमें प्रत्यक्ष करना है। तो जितना आत्मभिमान का मैंपन और मेरापन प्रैक्टिस में लायेंगे वो देह भान का मैं और मेरापन खत्म होता जायेगा।

करनाल-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अटल पार्क में नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. निर्मल बहन ने वहां मौजूद सभी भाई-बहनों को नशे की व्यापकता से समाज पर पड़ रहे दुष्प्रभावों के बारे में बताया। इस मौके पर भाई-बहनों द्वारा 'हर परिवार सुखमय बन जाए, व्यसन मुक्त बन जाए' नाटक प्रस्तुत किया गया जिसमें भाई-बहनों ने बीड़ी, सिगरेट और तम्बाकू के ड्रेस पहन कर दानपात्र हाथ में लेकर सभी से नशों का दान मांगा ताकि उनके जीवन से नशा सदा काल के लिए चला जाए और उनका जीवन खुशहाल बन जाए। अनेक लोगों ने उनके दानपात्र के अंदर अपने बीड़ी सिगरेट और शराब गुटका जैसे व्यसनों का दान भी दिया। कार्यक्रम के पश्चात् हरियाणा के मुख्यमंत्री माननीय मनोहर लाल खट्टर के कार्यालय में ब्र.कु. निर्मल बहन को इन सेवाओं के लिए मुख्यमंत्री ने दिल से धन्यवाद किया और हार्दिक शुभकामनाएं दी।

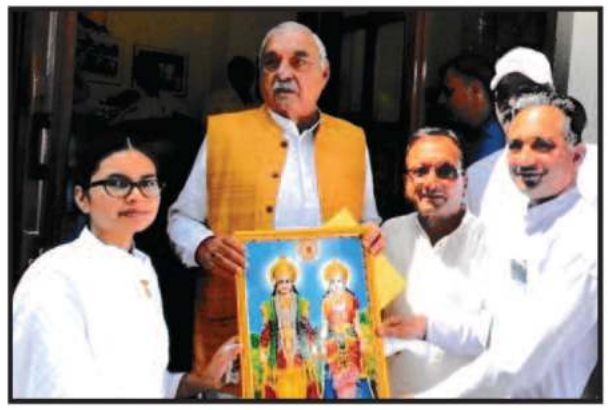

सांपला-ओ.आर.सी.। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सीमा बहन व ब्र.कु. ललित भाई।

चक्रधरपुर-झारखंड। श्रमिक दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला में श्रमिकों के सम्मान के पश्चात् ब्र.कु. मानिनि बहन के साथ उपस्थित हैं झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सदानंद होता, रिक्शाचालक देवनंदन पासवान तथा मेहनतकश महिला सुमित्रा देवी।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
Name: OM SHANTI MEDIA
Pay Directly to: mediabkm@indianbk
BHIM UPI
BHARAT INTERFACE FOR MONEY UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

For Online Transfer
BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan, Talhati
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
ACCOUNT NO:- 7482096871,
IFSC - CODE:- IDIB000S319
Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये
Website: www.omshantimedia.org